VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS 07 AUG 2019 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE: 1439)

Name of Candidate	Ravi Kumar Sihag		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	168117
Center	MN	Date	07/08/19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. Given below are two statements. Bring out what you understand by them and discuss their relevance in the present context.

नीचे दो कथन दिए गए हैं। स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे क्या समझते हैं और वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

(a) "I learned that courage was not the absence of fear, but the triumph over it. The brave man is not he who does not feel afraid, but he who conquers that fear"- Nelson Mandela **(10)**

"मैंने जाना कि साहस भय की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि उस पर विजय है। साहसी व्यक्ति वह नहीं है जिसे भय की अनुभूति नहीं होती, अपितु साहसी वह है जो भय पर विजय पाता है" - नेल्सन मंडेला

'साहस' व्यक्ति का वह मूल्य या गुण होता है जो व्यक्ति को विभिन्न परिस्थितियों चाहे वे कठिन हो, में अपने मूल्यों पर अडिग रहने निर्णय लेने आदि में सक्षम बनाता है। उदाहरण के लिये भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्येन्द्र दूबे जैसे कार्यकर्त्ताओं द्वारा आवाज उठाया जाना।

उपर्युक्त कथनानुसार साहस से तात्पर्य भय की अनुपस्थिति नहीं है क्योंकि भय जैसी मनोवृत्तियाँ हर व्यक्ति में विद्यमान होती है, बस अंतर अनुपात का होता है। महात्मा गांधी ने भी स्वीकार किया कि उन्हें कई बार भय का अनुभव हुआ किन्तु उन्होंने इस पर विजय पाई। अब्राहम लिंकन व जॉर्ज वाशिंगटन ने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी कई बार आत्मसंदेह होने के बावजूद आत्मप्रेरणा से विजय प्राप्त की।

प्रासंगिकता

(i) समाज से अन्याय, शोषण, उत्पीड़न समाप्त करने में साहस की भूमिका।

(ii) आत्मप्रेरणा, स्वनियंत्रण व आत्मजागरूकता सीखाकर लोगों में साहस का मूल्य जाग्रत करने में – उदा० सेलोवी व मेयर का 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' का मॉडल।

(iii) साहस से ही अन्य मूल्यों जैसे – निष्पक्षता, न्याय, तटस्थता (राजनैतिक) का सृजन होता है।

(iv) साहस ही यह बताता है कि बुराई का स्वार्थमूलक लाभ बेहतर नहीं होता। अपनों की बुरी बातों का विरोध भी साहसी ही कर सकता है।

इस प्रकार साहस जैसे मूल्य आज भी समाज को गति देने में सहायक है व रहेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** "Not everybody can be famous, but everybody can be great because greatness is determined by service"- Martin Luther King. **(10)**

"हर कोई प्रसिद्ध नहीं हो सकता है, लेकिन हर कोई महान हो सकता है क्योंकि महानता सेवा द्वारा निर्धारित होती है" - मार्टिन लूथर किंग

बाइबल में लिखा है कि, "जो अच्छा सेवक बन सकता है, वही अच्छा मालिक भी बन सकता है।" उपर्युक्त प्रश्नगत पंक्ति के साथ साथ इस पंक्ति को पढ़ने पर सेवा का अर्थ समझ में आता है।

प्रसिद्धि व महानता में अंतर यह है कि प्रसिद्धि अल्पकालिक हो सकती है किन्तु महानता दीर्घकालिक रहती है। यहाँ तक कि किसी व्यक्ति के मरने के बाद उसकी प्रसिद्धि नहीं रहती किन्तु महानता और अधिक बढ़ जाती है। उदाहरण के लिये 'मदर टेरेसा' जैसे व्यक्तित्व। इसके अलावा 'शिवदीप वमन लाण्डे' जैसे अधिकारी जिन्हें शायद अधिक व्यक्ति न जानें किन्तु 'सेवा भावना' (अपने वेतन का कुछ हिस्सा दान कर वे महानता के पथ पर अग्रसर अवश्य हैं।

विभिन्न धर्मों में भी यही बात लागू होती है। गुरुनानक देव जी ने भी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गरीबों की सेवा को 'सच्चा सौदा' की संज्ञा दी थी।

वर्तमान प्रासंगिकता :-

(i) "सामाजिक न्याय" के संबंध में सेवा का मूल्य अपरिहार्य है।

(ii) 'सतत विकास लक्ष्यों' की प्राप्ति में

(iii) लोकतंत्र में समानता, समता व स्वतंत्रता जैसे मूल्यों की स्थापना में।

(iv) विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों की स्थापना में जो कि मूलतः सेवा भावना द्वारा संचालित होते हैं। उदा० कैलाश सत्यार्थी का 'बचपन बचाओ आंदोलन'

(v) किसी व्यक्ति को उसके जीवन की सार्थकता हेतु अनुदेशित करने के लिये-उदाहरण के लिये स्थूल प्रयासों द्वारा प्रसिद्धि के बजाय सेवा द्वारा महानता अधिक सार्थक है।

इस प्रकार प्रस्तुत पंक्तियाँ न केवल मार्टिन लूथर किंग के समय प्रासंगिक थी, बल्कि आज भी और भविष्य में भी अपनी प्रासंगिकता बनाये रखेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Impersonal management, a characteristic feature of a Weberian bureaucracy, develops over time into indifference, especially with regard to weaker sections of the society. Critically discuss. **(10)**

वेबर की नौकरशाही की एक विशिष्ट विशेषता अवैयक्तिक प्रबंधन, समय के साथ विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के संबंध में उदासीनता के रूप में विकसित हो जाती है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** In pursuit of political power, means are often compromised that leads to competitive reliance on unethical practices resulting in erosion of public trust. Discuss. **(10)**

राजनीतिक सत्ता के अनुसरण में, प्राय: साधनों से समझौता किया जाता है जिससे अनैतिक व्यवहारों के प्रति प्रतिस्पर्धात्मक निर्भरता उत्पन्न होती है, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक विश्वास का क्षरण होता है। चर्चा कीजिए।

"सत्ता भ्रष्ट करती है किन्तु पूर्ण सत्ता पूर्णत: भ्रष्ट कर देती है" लॉर्ड एक्टन का यह कथन आज भी राजनीतिक व्यवस्था के सन्दर्भ में अपनी प्रासंगिकता सिद्ध करता है जहाँ सत्ता प्राप्ति की चाह में ~~साध~~ भ्रष्ट साधनों व आचरणों का प्रयोग किया जाता है।

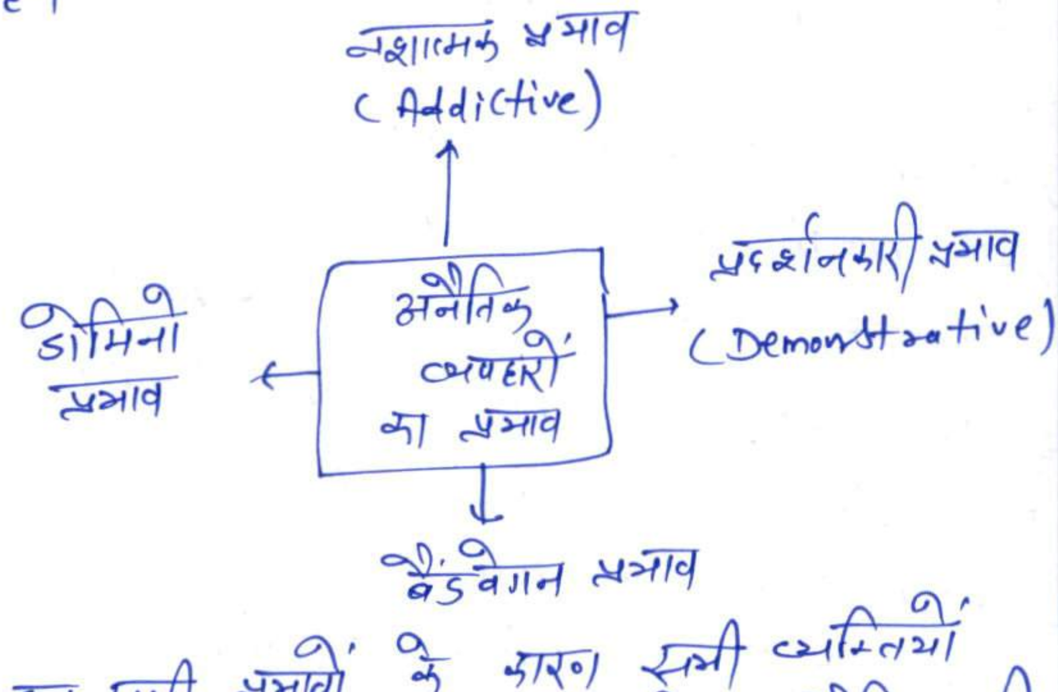

इन सभी प्रभावों के कारण सभी व्यक्तियों द्वारा सत्ता प्राप्ति के लिये अनैतिकता की स्पर्धा प्रारंभ हो जाती है व वे -मोस्कोजी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

'साधन की पवित्रता' के सिद्धान्त को दर-किनार कर देते हैं। उदाहरण के लिये - 1960-70 के दशक में व्यापक पैमाने का दल-बदल हो या सत्ता पक्ष द्वारा विपक्षी सरकारों वाले राज्यों में राज्यपालों को हटाना।

लोक-विश्वास क्षरण :- जहाँ स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राजनीति पवित्रता का पर्याय समझी जाती थी। नेहरू, शास्त्री जैसे नेताओं ने साधनों की पवित्रता से समझौता न कर लोक-विश्वास बनाये रखा। वहीं आज सभी वर्गों के लोग राजनीति में जाने से परहेज करते हैं।

उदा०

(i) राजनीति का अपराधीकरण।

(ii) राजनेताओं का घटता बौद्धिक स्तर।

(iii) संसद की चर्चा-गुणवत्ता का ह्रास।

इसका सबसे अच्छा उदाहरण मैक्सिको है जहाँ एक पार्टी ने भ्रष्ट हथकंडे अपना दशकों तक राज किया और आज तक वहाँ पर निष्पक्ष चुनावों में लोगों का भरोसा नहीं पनप पाया है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The grievance redressal mechanism is the gauge to measure efficiency and effectiveness as it provides important feedback on the working of the administration. In this context, answer the following questions:

शिकायत निवारण तंत्र दक्षता और प्रभावशीलता के मापन का पैमाना है क्योंकि यह प्रशासन के कार्यकरण के संबंध में महत्वपूर्ण फीडबैक (प्रतिपुष्टि) प्रदान करता है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) Identify the issues which have created barriers for a responsive redressal mechanism. **(10)**

उन समस्याओं की पहचान कीजिए, जिन्होंने एक प्रतिक्रियाशील निवारण तंत्र के सम्मुख बाधाएं उत्पन्न की हैं।

एक प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र जहाँ एक ओर जनता की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं के पैमाने पर प्रशासन को कसता है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन में दक्षता जैसे मूल्यों का संचार कर प्रशासन को जन-सहभागी व लोकोन्मुख बनाता है।

प्रमुख बाधाएँ

① नैतिक पक्ष
- सिविल सेवकों में प्रभावी 'नैतिकता संहिता' व 'आचरण संहिता' का अभाव होना।

② संस्थागत पक्ष
- ~~सर्त~~ सतर्कता आयोग, लोकपाल जैसी संस्थाओं का प्रभावी क्रियान्वयन न होना।

③ कानूनी पक्ष :- 'सूचना का अधिकार' व

'सिटीजन चार्टर' जैसे कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन न होना।

4) प्रशासनिक पक्ष
- स्टाफ की कमी।
- कार्य संस्कृति में प्रोत्साहन की कमी
- उदासीनता व जड़ता की स्थिति।

5) सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष
- जनता में जागरूकता का अभाव।
- 'सोशल ऑडिट' जैसे तंत्रों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन न किया जाना।
- 'बाबू कल्चर', 'सूट बूट कल्चर' के प्रति जनता में स्वीकृति।
- भ्रष्टाचार की संस्कृति।

अंतिम पक्ष विभिन्न प्रावधानों की 'भाषा' का भी है जहाँ उचित भाषा के अभाव में बोधगम्यता की समस्या होती है जिससे नागरिक शिकायत करने से हिचकिचाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** What steps should be taken by the government for increasing the effectiveness of grievance redressal mechanism? **(10)**

शिकायत निवारण तंत्र की प्रभावशीलता में वृद्धि हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने चाहिए?

प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र में वृद्धि हेतु सरकार को निम्न स्तरों पर प्रयास करना चाहिये।

(1) कानूनी स्तर
- आर.टी.आई. सिटीजन चार्टर जैसे कानून को अक्षरशः लागू करना।
- व्हिसल ब्लोअर एक्ट को प्रभावी बनाना।
- 'फॉल्स क्लेम एक्ट' को पारित करना।

(2) सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर
- कार्य संस्कृति सुधार
- सामाजिक अंकेक्षण
- नागरिक मूल्यांकन पत्र (citizen report card)

(3) प्रशासनिक स्तर पर
- मानव संसाधन की कमी को पूरा करना।
- उपयुक्त स्टाफ को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उचित प्रशिक्षण व नैतिक मूल्यों का समावेशन करना।

(4) नैतिक स्तर → आचरण व नैतिकता संहिता में सुधार करना।
→ प्रशासन में जनता को 'मालिक' व अधिकारी में 'सेवक' बनने की भावना का विकास

(5) संस्थागत स्तर :- नियंत्रण व विनियमन का सोपानक्रम सुदृढ़ बनाना।
→ 'सामूहिक जवाबदेही' का सिद्धान्त लागू करना।

इसके साथ-साथ सिंगापुर व हॉगकॉंग (Independent commission for corruption) मॉडलों का प्रयोग करना भी स्वागत योग्य होगा ताकि प्रशासन को जनसहभागी बनाया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Citizen's charters can be both a stimulus and a means for government to raise the standards of Public Service delivery. Discuss. **(10)**

नागरिक चार्टर सार्वजनिक सेवा वितरण के मानक को उन्नत करने हेतु सरकार के लिए एक प्रोत्साहक और एक साधन दोनों हो सकता है। चर्चा कीजिए।

नागरिक चार्टर एक नागरिक मार्गदर्शक है जो एक ओर नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर तो दूसरी ओर प्रशासन को और अधिक कर्तव्यनिष्ठ व जवाबदेह बनाकर जनसहभागी व पारदर्शी प्रशासन बनाने में मदद करता है।

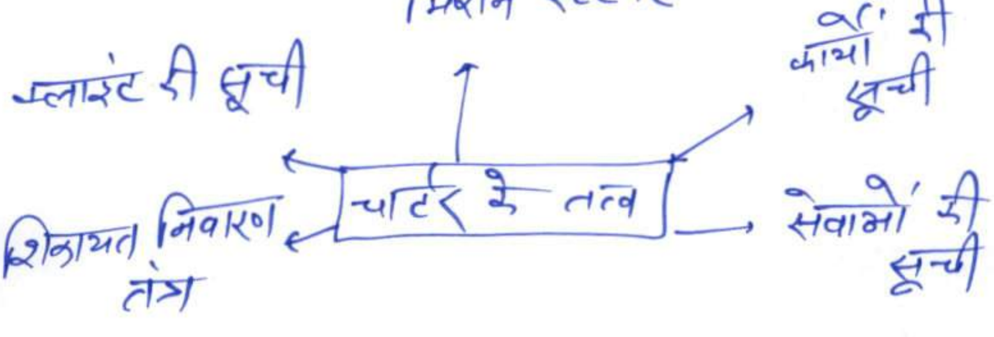

सिटीजन चार्टर

प्रोत्साहक के रूप में

(i) अच्छे कार्य व सेवा गुणवत्ता वाले विभाग की छवि में सुधार (अभिवृत्ति में परिवर्तन)

(ii) अच्छे सेवा प्रदाता अधिकारी को

पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि।
(iii) किसी विभाग पर ईमानदार, दक्ष व पारदर्शिता का तमगा लगाना भी एक प्रकार का प्रोत्साहन ही है। उदाहरण के लिये 'दिल्ली मैट्रो' (ई. श्रीधरन)

साधन के रूप में

- (i) विभिन्न तत्वों जैसे मिशन, लक्ष्यों, मूल्यों की सूची द्वारा 'जन सहभागिता' में वृद्धि।
(ii) 'पारदर्शिता' में वृद्धि।
(iii) प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली 'जवाबदेहिता' में वृद्धि करती है।
(iv) प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि के साथ-साथ भ्रष्टाचार में कमी।
(v) सार्वजनिक फंड का उचित प्रयोग।
उदा०- यू.के का 'चार्टर मार्क' सिस्टम।

इस प्रकार नागरिक चार्टर के उपर्युक्त लाभों को प्राप्त करने के लिये हमें द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के 'सेवोत्तम मॉडल' की और कदम बढ़ाने चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Attitude and behaviour are so closely interwoven that a change in one inevitably influences the other. Explain the statement with examples. **(10)**

अभिवृत्ति और व्यवहार इतनी घनिष्ठता से गुथे हुए हैं कि एक में परिवर्तन अनिवार्य रूप से दूसरे को प्रभावित करता है। उदाहरणों के साथ इस कथन की व्याख्या कीजिए।

अभिवृत्ति से तात्पर्य किसी भी मनोवैज्ञानिक विषय (वस्तु, व्यक्ति, संस्था, विचार) के प्रति हमारे मन में निहित सकारात्मक, नकारात्मक या तटस्थता की धारणा से है

अभिवृत्ति की संरचना में तीन तत्व होते हैं

- संज्ञानात्मक पक्ष
- भावनात्मक पक्ष
- व्यावहारात्मक पक्ष

इस प्रकार अभिवृत्ति की संरचना में ही व्यवहार का पक्ष शामिल है किन्तु ये एक दूसरे से प्रभावित भी होते हैं

<u>अभिवृत्ति परिवर्तन द्वारा व्यवहार परिवर्तन</u>

उदाहरण के लिये सामंती समाज मूल्य युक्त कोई व्यक्ति JNU जैसे विश्व-विद्यालय में प्रवेश लेता है तो धीरे-धीरे उसमें समानता, स्वतंत्रता जैसे मूल्य विकसित हो जायेंगे व इस प्रकार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

धीरे - धीरे वह पितृसत्तात्मक व कट्टर व्यवहार करना छोड़ देगा।

व्यवहार द्वारा अभिवृत्ति परिवर्तन :- कोई व्यक्ति ईमानदारी के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखता है किन्तु आर्थिक अभावों के कारण यदि वह भ्रष्ट आचरण करता है तो धीरे - धीरे वह भ्रष्ट मूल्यों को अपना लेगा व ईमानदारी के प्रति अभिवृत्ति भी बदल जायेगी।

इन दोनों के अलावा एक तीसरा पक्ष भी है जिसे 'संज्ञानात्मक विसंगति' कहते हैं अर्थात अभिवृत्ति के अनुरूप व्यवहार न कर पाना। जैसे - शराब के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति होने पर भी शराब न छोड़ पाना।

अतः अभिवृत्ति व व्यवहार एक दूसरे के निर्धारक तो होते हैं किन्तु हर स्थिति में नहीं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Emotional intelligence is an important parameter as one aspires to move up the ladder in a competitive environment. Discuss. **(10)**

किसी प्रतिस्पर्धी परिवेश में आगे बढ़ने की आकांक्षा रखने वाले एक व्यक्ति के लिए भावात्मक प्रज्ञा एक महत्वपूर्ण मापदंड होती है। चर्चा कीजिए।

आज के गलाकाट प्रतिस्पर्धा के युग में डेनियल गोलमैन जैसे विद्वानों के अनुसार केवल बुद्धिमत्ता (I.Q.) को नहीं बल्कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता को सफलता का पैमाना माना जाना चाहिये।

ई. आई का इस परिवेश में व्यक्ति के लिये प्रयोग :-

① आत्म जागरूकता :- (i) प्रतिस्पर्धा में व्यक्ति को अपनी शक्तियों व कमजोरियों का एहसास होता है।
(ii) वही कार्य करता है जो उसके मजबूत पक्ष है। यह विशिष्टीकरण (specialisation) को बढ़ावा देता है

उदा० - यदि कोई हिंसा को नापसंद करता है तो उसे सेना, पुलिस में जाना अच्छा नहीं लगेगा।

② आत्म विनियमन :- अपने मन के नकारात्मक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भावों - क्रोध, ईर्ष्या का नियंत्रण कर संबंध सुधारने में।
- अपने अधीनस्थों को डांटने के बजाय प्रोत्साहित करना।

③ आत्म-प्रेरणा :- कठिन कार्यों, बाधाओं में स्वयं व अपने साथियों का मनोबल बढ़ाये रखना। उदा॰ - आर्थिक संकट, आपदा, दंगे आदि के समय।

④ संवेदना :- विभिन्न व्यक्तियों के भावों को पढ़कर निर्णय लेना। सामने वाले की नब्ज़ को पहचानना।
उदा॰ महेन्द्र सिंह धोनी जैसे व्यक्ति।

⑤ सामाजिक कुशलता (social skill)
- प्रबंधन, बोलने की कुशलता आदि।

इस प्रकार निम्न तत्वों के होने के कारण कोई भी व्यक्ति अपने क्षेत्र में अधिक तीव्रता से आगे बढ़ सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Ethics in international relations has the potential to cater to the diplomatic challenges of 21st century. Examine. **(10)**

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के परिप्रेक्ष्य में नीतिशास्त्र में 21वीं सदी की कूटनीतिक चुनौतियों से निपटने का सामर्थ्य है। परीक्षण कीजिए।

आज के समय में अन्तर्राष्ट्रीय संबंध अधिकाधिक व्यावहारिक होते जा रहे हैं। विश्व के सामने संरक्षणवाद, व्यापार युद्ध, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद जैसी समस्याएँ मुंह बाए खड़ी हैं तो नैतिकता की प्रासंगिकता असंदिग्ध हो जाती है।

नीतिशास्त्र का महत्व

(क) जलवायु परिवर्तन के लिये 'पेरिस जलवायु समझौते' जैसे नियम बनाने में।

(ख) 'संयुक्त राष्ट्र संघ' की स्थापना के पीछे कांट जैसे विचारकों की वैश्विक नैतिकशास्त्र की संकल्पना ही जिम्मेदार है।

(ग) आतंकवाद पर विभिन्न देशों का कड़ा रुख - संवेदना, करुणा, दृढ़ता जैसे नैतिक मूल्यों का परिचायक है।

(घ) वह नैतिकता ही है जिसने दो विश्व-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

युद्धों के बाद भी विश्व को संभाल रखा है व तीसरे विश्व युद्ध को रोक रखा है।

(5.) शांति पूर्ण, सह-अस्तित्व, गैर-हस्तक्षेप जैसे सिद्धान्तों की रक्षा में।

चुनौतियाँ :- (i) राष्ट्र हित को वैश्विक हित पर तरजीह देना (अमेरिका द्वारा मध्य पूर्व में हस्तक्षेप)

(ii) निःशस्त्रीकरण व आतंकवाद की परिभाषा पर विभिन्न देशों के अनेक हित।

(iii) आर्थिक विकास को पर्यावरणीय नैतिकतावाद पर वरीयता देना आदि।

आगे की राह (i) संयुक्त राष्ट्र को लोकतांत्रिक बनाया जाये।

(ii) सामान्य किन्तु विभेदित जिम्मेदारियाँ (CBDR) के सिद्धान्त का पालन करना।

(iii) चर्चा की गुणवत्ता पर बल देना।

(iv) समस्त हितधारकों के सहयोग से वैश्विक मानक व नियमों का विकास करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. It takes more than a corporate governance policy to inspire ethical behavior and sustain a truly ethical workplace. Discuss. **(10)**

नैतिक व्यवहार को प्रेरित करने और कार्यस्थल को सही अर्थों में नीतिपरक बनाए रखने हेतु कॉर्पोरेट शासन नीति से कहीं अधिक की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट शासन किसी कंपनी को चलाने व प्रबंधित करने की ऐसी अवधारणा है जो उसके समस्त हितधारकों के हित संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरणीय व सामाजिक आयामों पर भी बल देती है।

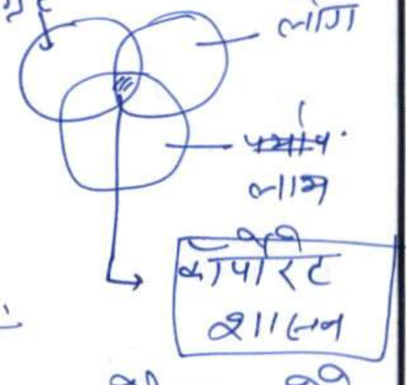

चुनौतियाँ आज के समय में उचित कॉर्पोरेट शासन की धारणा मौजूद होने के बावजूद निम्न प्रकार की चुनौतियाँ हैं-

(i) पर्यावरणीय निम्नीकरण।
(ii) सामाजिक दायित्व के प्रति उपेक्षा का भाव।
(iii) अनैतिक व्यापार प्रथाएँ - (हालिया गूगल व फेसबुक पर डाटा दुरुपयोग का मामला)
(iv) नकारात्मक बाह्यताओं के कारण सामाजिक क्षति
(v) कंपनी के कर्मचारियों के शोषण व

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उत्पीड़न के मामले। उदा०- चीन में कंपनियाँ।

इन सभी चुनौतियों के कारण आज समय की मांग है कि कॉर्पोरेट शासन की नीति में कुछ अन्य मूल्यों का समावेशन कर सुधार किये जायें जैसे-

(i) गांधीजी के 'ट्रस्टीशिप सिद्धान्त' का समावेशन करना।

(ii) बुद्ध के 'सम्यक आजीविका' सिद्धान्त का अनुप्रयोग।

(iii) 'कॉर्पोरेट सोशल दायित्व' के साथ-साथ 'सोशल लाइसेंस टु ऑपरेट' (SLO) जैसी धारणाओं का समावेश करना।

(iv) कंपनी के कर्मचारियों को नैतिकता प्रशिक्षण देकर संवेदनशील बनाना।

(v) कंपनी में 'नैतिकता आयुक्त' के पद का सृजन।

इस प्रकार उपर्युक्त उपायों द्वारा कॉर्पोरेट शासन को अधिक प्रभावी बनाकर समाजोन्मुखी बनाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Compassion should never be considered as weakness, but rather as an essential element for providing a congenial administrative working environment. Discuss. **(10)**

करुणा (संवेदना) को कभी भी दुर्बलता नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि सौहार्दपूर्ण प्रशासनिक कामकाज का वातावरण प्रदान करने हेतु एक आवश्यक तत्व माना जाना चाहिए। चर्चा कीजिए।

महात्मा बुद्ध के अनुसार, "करुणा सभी धर्मों का मूल तत्व है।" करुणा से तात्पर्य किसी दुखी, दीन को देखकर उसकी सहायता करने को लेकर मन में आने वाली भावना से है।

कर्नाटक के आई-पी. एस अधिकारी डी. सी. राजापा, जो कि एक कन्नड़ कवि भी है ने सभी पुलिस कर्मियों में साहित्य के प्रयोग द्वारा संवेदना के मूल्य का विकास करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। जिसके कारण 'जन सहभागिता' व 'पुलिस की छवि' दोनों में मजबूती आई है।

इस उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है कि संवेदना या करुणा ~~कमजोरी~~ कमजोरी का पर्याय नहीं है। कवि दिनकर ने भी कहा है कि- "क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गरल है" अर्थात क्षमा व संवेदना जैसे मूल्य तो शक्तिमान व्यक्ति ही धारण कर सकता है, कमज़ोर व्यक्ति नहीं।

संवेदना व प्रशासनिक वातावरण

(i) कमज़ोर वर्गों की प्रार्थनाएँ सुनी जायेंगी।
(ii) 'सामाजिक न्याय' में सहायता।
(iii) प्रशासन की जन ग्राह्यता में वृद्धि।
(iv) प्रशासनिक जवाबदेहिता व पारदर्शिता में वृद्धि होगी।

अतः करुणा व संवेदना जैसे मूल्य न केवल जनता के लिये वरन् स्वयं प्रशासन की उन्नति के लिये भी अत्यन्त आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Do you think there has been a convergence of values between public and private sectors in the wake of increasing role of the private sector in public service delivery? **(10)**

सार्वजानिक सेवाओं के वितरण में निजी क्षेत्रक की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, क्या आपको लगता है कि सार्वजानिक और निजी क्षेत्रकों के मध्य मूल्यों का अभिसरण हुआ है?

आज के समय में विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं जैसे - स्वास्थ्य, अवसंरचना आदि में पी.पी.पी. मॉडल प्रमुखता पाने लगा है- जिसके निम्न कारण है-

(i) सरकार के पास वित्त की कमी।
(ii) प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिये।
(iii) निजी क्षेत्र के प्रबंधन व योग्यता का प्रयोग करना।

इस प्रकार के प्रयोगों के कई सार्थक परिणाम भी सामने आये हैं जैसे - अक्षय पात्र फांउडेशन द्वारा mid day meal योजना का क्रियानवयन करना।

मूल्यों का अभिसरण

सकारात्मक रूप में देखें तो निजी क्षेत्र के प्रबंध कुशलता, विशिष्टीकरण, श्रम विभाजन, दक्षता जैसे मूल्यों का आज सार्वजनिक क्षेत्रों में समावेशन हुआ है- विभिन्न

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्रों में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट इसका उचित उदाहरण है। दूरसंचार क्षेत्र
- सरकार भी अपने लक्ष्य तय समय में पूरा कर रही है। उदा० - सभी घरों में बिजली पहुँचाने का लक्ष्य।

किन्तु, हर विभाग या जगह पर ऐसा हो, इसके साक्ष्य नहीं मिलते हैं। कई जगहों पर निजी क्षेत्र भी उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। साथ ही उसमें सेवा भावना, जैसे मूल्य जो कि सार्वजनिक क्षेत्र में होते हैं, का सर्वथा अभाव है उदा०-
- स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र जो सरकार सामाजिक न्याय व सेवा जैसे मूल्यों द्वारा चालित करती है, में निजी क्षेत्र द्वारा उचित निर्वाह नहीं - मंहगी दवाएँ, जाँच आदि
- शिक्षा का व्यावसायीकरण व वाणिज्यीकरण आदि।

इस प्रकार मूल्यों का अभिसरण तो हुआ है किन्तु इसे और सकारात्मक करने के लिये प्रयास करने होंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. Rapid growth of information and communication technology, with all its benefits, has associated risks and far-reaching consequences. The government has constituted a committee to frame guidelines for an inclusive and safe cyberspace in India. The committee has solicited public opinion in this regard. As a concerned citizen, you have to give your suggestions on the following themes:

(a) Why do you think some people or a set of people are more vulnerable to cyber threats with special emphasis on cyber-bullying.

(b) Do you think the experiences and exposure in cyberspace are an important influence in a person's attitude and behaviour?

(c) What reasonable restrictions can be applied to make cyberspace more safe and friendly to all citizens? **(20)**

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के द्रुत विकास के लाभों के साथ-साथ, इससे संबद्ध जोखिम और दूरगामी परिणाम भी हैं। सरकार ने भारत में समावेशी और सुरक्षित साइबर स्पेस के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु एक समिति का गठन किया है। समिति ने इस संबंध में जनता की राय मांगी है। एक प्रबुद्ध नागरिक के रूप में, आपको निम्नलिखित विषयों पर अपना सुझाव देना है:

(a) आपको ऐसा क्यों लगता है कि कुछ लोग या लोगों का एक समूह साइबर खतरों, विशेष कर साइबर बुलीइंग (धमकियों) के प्रति अधिक सुभेद्य हैं।

(b) क्या आप मानते हैं कि साइबर स्पेस के मामले में अनुभव और खुलापन (एक्सपोज़र) किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति और व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं?

(c) साइबर स्पेस को सभी नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित और अनुकूल बनाने के लिए कौन-से युक्तियुक्त प्रतिबंध आरोपित किए जा सकते हैं?

कोई भी प्रौद्योगिकी नैतिक या अनैतिक नहीं होती। वह नैतिक रूप से तटस्थ होती है। उसे प्रयोग करने वाले पर निर्भर करता है कि वह उसे किस प्रकार उपयोग

में लेगा। उदाहरण के लिये नाभिकीय विखंडन से ऊर्जा भी बनती है और परमाणु बम भी।

(a) अनेक वर्ग या वर्गों के समूह साइबर खतरों के प्रति सुभेद्य होते हैं जैसे-

① बच्चे → मनोवैज्ञानिक व संज्ञानात्मक क्षमता कम।
→ उत्पीडन उजागर न कर पाने की क्षमता।
→ सौदेबाजी की कम क्षमता
→ "क्या देखना है क्या नहीं" - यह निर्णय न कर पाने की क्षमता।

उदा० ब्लू व्हेल गेम के कारण बच्चों द्वारा की गई आत्महत्याएँ।

इसी प्रकार महिलाएँ, निरक्षर लोग, विकलांग आदि भी इस प्रकार की बुलिंग के प्रति सुभेद्य होते हैं। IAS अधिकारी 'इरा सिंघल' पर उनकी विकलांगता के कारण की गई बुलिंग इसका उदाहरण है।

(b) कोई भी साइबर स्पेस किसी भी व्यक्ति के व्यवहार पर तीन प्रकार से प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

डालता है।

संपर्कात्मक / contact effect

सकारात्मक
- जानकारी व ज्ञान में वृद्धि
- उदा० शिक्षा वेबसाइट

नकारात्मक
- आपराधिक तत्वों, अश्लील सामग्री तक पहुँच

सामग्री का प्रभाव (contact effect)

सकारात्मक
1. अशिक्षा, बेरोजगारी से लड़ने में मदद
2. ग्रामीण विकास व डिजीटल डिवाइड को रोकना

नकारात्मक
- गेमिंग डिसऑर्डर
- PuBG जैसे खेलों के कारण आक्रामकता वृद्धि के उदाहरण मिले हैं।

आचरणात्मक प्रभाव

सकारात्मक
- समावेशन में वृद्धि
- संवेदना जैसे मूल्यों का विकास
- राजनीतिक जागरूकता

नकारात्मक
- गाली-गलौज व धैर्य का अभाव
- स्थूलता की संस्कृति
- राजनीतिक प्रोपगेंडा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

व फेक न्यूज के कारण गलत जानकारियों से व्यक्ति का आचरण प्रभावित।

सायबर स्पेस पर आरोपित युक्तियुक्त प्रतिबंध

(i) सामग्री की फिल्टरिंग की जाये।
(ii) फेक न्यूज पर लगाम लगाने के लिये सार्वजनिक कंपनियों पर उत्तरदायित्व लगाना।
(iii) सत्य या पोस्ट सत्य (Post truth) में अंतर की जिम्मेदारी डालना।
(iv) सांप्रदायिक, तनावमूलक व अन्य पूर्वाग्रह युक्त पोस्ट करने पर पोस्ट डालने वाले की जिम्मेदारी ठहराना व उस पर कार्यवाही करना।
(v) राजनीतिक निष्पक्षता की जिम्मेदारी डालना।
(vi) 'डाटा प्राइवेसी' के मुद्दों पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार व कंपनियों को समन्वयात्मक कार्य करने के लिये तंत्र निर्माण करना।

इस प्रकार एक 'विनियमन प्रकोष्ठ' का निर्माण किया जा सकता है जिसमें विभिन्न हितधारकों के प्रतिनिधि हों जो यह निर्धारण करेंगे कि कंपनियों का कहाँ तक विनियमन किया जाये। इसके लिये संविधान विशेषज्ञों की भी मदद ली जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are the District Magistrate of a district that is known for making combustible substances such as match boxes and fire crackers. As per the The Child Labour (Prohibition and Regulation) Amendment Act, 2016, employment of children in such hazardous activities is prohibited. In this regard, government has also released a notification that owners of these manufacturing units need to report on the profiles of their employees annually as child labour has been prevalent in these industries. These manufacturing units, abiding by the directives of the government, publish such reports annually and claim to have successfully put an end to employment of child labour. However, it has been brought to your notice that these companies are taking advantage of a loopholes in the law. They have been outsourcing their hiring to independent contractors who engage families in the business. The families have been continuing to use child labour to supplement their income and also keep the cost of labour competitive so as to bag more such contracts and since they are not officially on the payroll of the companies, they are absolved of the legal liabilities.

(a) Identify the ethical issues in this case.

(b) How would you approach the problem and what would be the main elements of your action? **(20)**

आप एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट हैं जो माचिस और पटाखे जैसी दहनशील वस्तुएं बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के अनुसार ऐसी खतरनाक गतिविधियों में बच्चों का नियोजन निषिद्ध है। इस संबंध में, सरकार ने एक अधिसूचना भी जारी की है कि इन विनिर्माण इकाइयों के स्वामियों को वार्षिक रूप से अपने कर्मचारियों के प्रोफाइल पर एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्रस्तुत करनी होगी क्योंकि इन उद्योगों में बाल श्रम प्रचलित रहा है। सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए, ये विनिर्माण इकाइयां वार्षिक रूप से ऐसा प्रतिवेदन प्रकाशित करती हैं और बाल श्रम का नियोजन सफलतापूर्वक समाप्त करने का दावा करती हैं। हालांकि, आपके संज्ञान में यह लाया गया है कि ये कंपनियां इस कानून की कमियों का लाभ उठा रही हैं। वे स्वतंत्र ठेकेदारों से अपनी भर्तियां आउटसोर्स कर रही हैं जो व्यवसाय में परिवारों को संलग्न करते हैं। ये परिवार अपनी आय के अनुपूरक के तौर पर बाल श्रम का उपयोग करना जारी रखे हुए हैं और साथ ही श्रम को लागत प्रतिस्पर्धी भी बनाए रखते हैं ताकि वे ऐसे और अधिक अनुबंध प्राप्त कर पाएं। चूंकि वे आधिकारिक रूप से कंपनियों के भुगतान रजिस्टर पर दर्ज नहीं हैं, इसलिए वे कानूनी दायित्वों से भी मुक्त हैं।

(a) इस प्रकरण में निहित नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आप यह समस्या कैसे सुलझाएंगे और आपकी कार्यवाही के प्रमुख तत्व क्या होंगे?

बाल-श्रम के साथ-साथ सरकारी प्रावधानों के दुरुपयोग को प्रदर्शित करने वाला यह केस अध्ययन यह दर्शाता है कि किस प्रकार से कानून की कमियों (Loop holes) का दुरुपयोग किया जा सकता है-

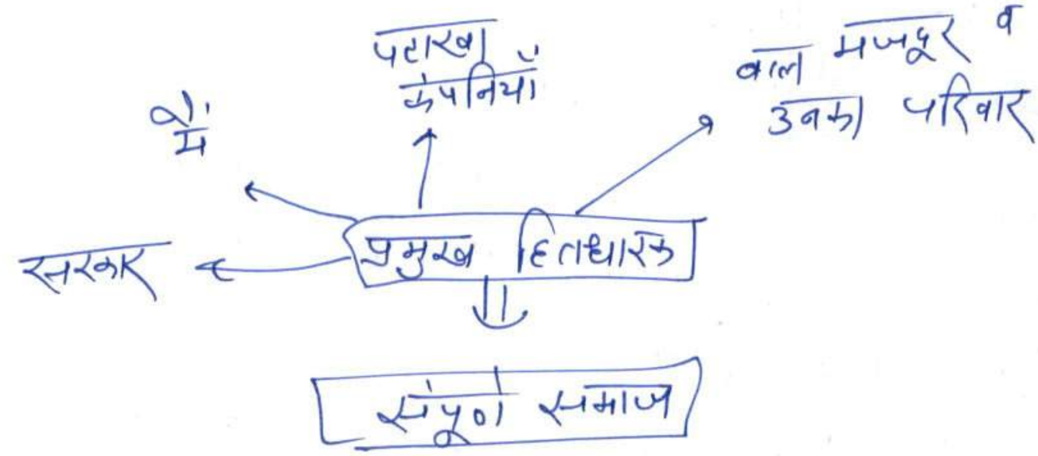

निहित नैतिक मुद्दे

(i) कानून की भाषा व उसके सार तत्व के मध्य विद्यमान अंतर का मुद्दा।

(ii) बच्चों के अधिकारों व उनके जीवन की गरिमा का मुद्दा।

(iii) कंपनियों की सत्यनिष्ठा व संवेदनशीलता का मुद्दा (कॉर्पोरेट गवर्नेंस)

(iv) बाल मजदूरों के परिवारों के आर्थिक

कमजोरी का होना जिससे वे इन रोजगारों में काम कर रहे हैं।

(v) सरकारी इकाईयों के उचित पर्यवेक्षण न करने का मुद्दा।

(vi) 'नियम बनाम परिणाम' का मुद्दा।

* इन नैतिक मुद्दों के आलोक में मैं निम्न कार्यवाही करूँगा। [निवारण] ↓

(i) सर्वप्रथम कंपनियों की वार्षिक विवरण रिपोर्ट एवं उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की संपूर्ण जाँच करूँगा।

(ii) जाँचोपरांत दोषी ठेकेदारों के बयान दर्ज करूँगा ताकि उन पर कार्यवाही के साथ कंपनी पर कार्यवाही की जा सके।

(iii) कंपनी पर आपराधिक मामले के साथ-साथ जुर्माना भी आरोपित करूँगा, ताकि इसका उपयोग बच्चों के विकास के लिये किया जा सके।

[प्रोत्साहक उपाय] :-

(i) बच्चों के परिवार से मिल ~~उनकी~~ भावनात्मक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बुद्धिमत्ता के प्रयोग से उनकी अभिवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करूँगा। इस हेतु मैं निम्न तर्क दूँगा।

(क) बच्चों का भविष्य बर्बाद हो जायेगा।

(ख) ये बच्चे यदि उचित शिक्षा ग्रहण करेंगे तो आगे चलकर अधिक कुशल बनेंगे व अधिक कमाएँगे।

(ग) 'शिक्षा का अधिकार' जैसे कानूनों व 'कौशल विकास' जैसी योजना की जानकारी दूँगा।

(घ) पटाखों व फैक्ट्री के कार्य के उनके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव की जानकारी दूँगा।

अन्य प्रयास

(क) कंपनियों के 'वार्षिक विवरण' में सुधार करवाने का प्रयास करूँगा।

(ख) कानून की उचित व्याख्या व उसकी प्रतिलिपियाँ हर कंपनी के समक्ष बटवाऊँगा।

(ग) बाल श्रम के प्रति संवेदना व

जागरूकता के लिये विभिन्न NGO व सिविल सोसाइटी की मदद लूँगा।

इस प्रकार महात्मा गांधी के सिद्धान्त के अनुसार हर बच्चे को साध्य समझते हुए मैं अपनी कार्यवाही को जारी रखूँगा व उनके लिये 'न्याय' को सुनिश्चित बनाऊँगा क्योंकि-
'बच्चे समाज की अमूल्य धरोहर हैं।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. There are large number of leather industries in a major industrial town of India. They provide employment to large number of people and are also a prominent source of revenue for the state. Lately it has been observed that despite following the present emission control rules, the collective ecological footprint of these industries remains quite high affecting the surrounding areas in an adverse manner. The new technologies available for emission control are quite costly and thus acts as a disincentive for the owners of the industries for adopting them.

In light of this information, the government is contemplating the following options:

(a) Shutting down the industries in the region

(b) Relocating the industries to a new region

(c) Making the emission control rules stricter

(d) Providing incentives to the industry owners for adoption of new technology. **(20)**

Analyse the above options in terms of their merits and demerits. What course of action would you choose and why?

भारत के एक प्रमुख औद्योगिक शहर में बड़ी संख्या में चमड़ा उद्योग हैं। वे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं और राज्य के लिए राजस्व के एक प्रमुख स्रोत भी हैं। हाल ही में यह देखा गया कि वर्तमान उत्सर्जन नियंत्रण नियमों का पालन करने के बावजूद, इन उद्योगों का सामूहिक पारिस्थितिकीय फुटप्रिंट काफी अधिक बना हुआ है जिससे आसपास के क्षेत्र प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उत्सर्जन नियंत्रण के लिए उपलब्ध नई प्रौद्योगिकियां काफी महंगी हैं और इस प्रकार ये इन उद्योगों के स्वामियों द्वारा अपनाए जाने को हतोत्साहित करती हैं।

इस जानकारी के आलोक में, सरकार निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कर रही है:

(a) इस क्षेत्र में उद्योगों को बंद करना।

(b) एक नए क्षेत्र में उद्योगों को स्थानांतरित करना।

(c) उत्सर्जन नियंत्रण नियमों को और सख्त बनाना।

(d) नई प्रौद्योगिकी को अपनाने हेतु उद्योगों के स्वामियों को प्रोत्साहन प्रदान करना।

उपर्युक्त विकल्पों का उनके गुण-दोष के आधार पर विश्लेषण कीजिए। आप क्या कार्यवाही अपनाएंगे और क्यों?

किसी भी उद्योग के आर्थिक, सामाजिक पक्षों के साथ-साथ पर्यावरणीय पक्षों को समाहित करता यह केस अध्ययन बताता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है कि अपनी 'नकारात्मक बाह्यताओं' (Negative Externalities) के कारण विभिन्न उद्योगों द्वारा साझा संसाधनों [Common Good.] को क्षति पहुँचाई जाती है।

प्रमुख विकल्प

(a) उद्योग बंद करना

गुण → पर्यावरणीय क्षरण रुकेगा।
→ आस-पास के लोग प्रभावित नहीं होंगे।

दोष :- → रोजगार समाप्त
→ सरकारी राजस्व समाप्त
→ 'फॉरवार्ड - बैकवार्ड लिंकेज' समाप्ती से अनेक लोग प्रभावित होंगे।

(b) एक नये क्षेत्र में उद्योगों का स्थानान्तरण

गुण → शहर में उत्सर्जन नियंत्रण रुकेगा।
→ तत्कालीन राहत मिलेगी।

दोष → समावेशी समाधान नहीं
→ उत्सर्जन तो होगा बस जगह बदल जायेगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- कहीं का भी उत्सर्जन पूरे पर्यावरण को तो प्रभावित करेगा ही (चक्रीय अवधारणा)
- उद्योग स्थानान्तरण लागत अधिक।
- रोजगार व राजस्व भी प्रभावित।

(C) उत्सर्जन नियमों को सरल बनाना

गुण :-
- → पर्यावरण क्षरण में कमी होगी।
- → पर्यावरण नैतिकता का कॉर्पोरेट शासन में समावेशन
- → नई तकनीक अपना सकते हैं।

दोष :-
- → लागत वृद्धि → उद्योग बंद हो सकते हैं।
- → सरकारी नियंत्रण बढ़ने से भ्रष्टाचार बढ़ेगा।
- → 'क्राउडिंग आउट' की समस्या।
- → लागत ↑ → लाभ ↓ → सरकारी राजस्व कम
- → रोजगार में भी कमी।

(D) नई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिये प्रोत्साहन

गुण :- → पर्यावरण क्षरण कम होगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ समावेशी समाधान सुनिश्चित होगा।
→ रोजगार व राजस्व में सततता रहेगी।
→ पर्यावरणीय नैतिकता का समावेशन होगा।
अच्छा उदाहरण सेट होगा।
→ सरकार के प्रति विश्वास में वृद्धि होगी।

दोष :- → सरकारी खजाने पर खर्च बढ़ेगा।
→ सरकारी राजस्व कम।
→ प्रदूषकों का निपटान कंपनी की जिम्मेदारी है। उनका कॉर्पोरेट शासन दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता में कमी।

उपर्युक्त सभी विकल्पों के आधार पर अंतिम विकल्प उचित प्रतीत होता है, बशर्ते उसमें कुछ संशोधन हो जैसे -
(i) सरकार सीधे अनुदान देने के बजाय सॉफ्ट ऋण उपलब्ध कराए।
(ii) कंपनियों को भी 'कैरट व स्टिक' पॉलिसी के तहत बाध्य-प्रोत्साहित किया जाये।
(iii) कई उद्योगों के लिये एक साथ अपशिष्ट निपटान संयंत्र स्थापित करना।

(iv) कंपनियों को अपने कर्मचारियों को पर्यावरणीय नैतिकता प्रशिक्षण की शर्त रखना।

औचित्य (i) पर्यावरण विकास से ऊपर है विकास केवल होना ही नहीं बल्कि समावेशी होना चाहिये।

(ii) अस्तित्व विकास के ऊपर है।

(iii) सरकार के प्रयास से सरकार व कंपनी का एक लोगों का विश्वास बढ़ेगा।

(iv) सामाजिक पूंजी में वृद्धि होगी।

(v) बुद्ध का 'सम्यक आजीविका' का सिद्धान्त

(vi) रोजगार व राजस्व पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इस प्रकार उपर्युक्त प्रयासों द्वारा सुनिश्चित हो सकेगा कि विकास व पर्यावरण एक दूसरे के सहयोगी बन सके न कि विरोधी। साथ ही सतत व समावेशी विकास सुनिश्चित होगा।

12. Recently you were posted as a District Magistrate of a predominantly agricultural district, which has been one of the best performers in agriculture since the last decade. In one of your field visits, you find that the large landowners, who are a socially, politically and economically powerful group, employ domestic helps and agriculture labour who are informally tied to them and have been working there since generations. In return, these workers are provided basic amenities like food and shelter apart from some money. However, you do sense a violation of basic human rights in this situation.

In light of the above case, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders, their interests and ethical issues involved in the case.

(b) How does denial of choice amount to violation of human rights?

(c) What course of action would you take? Give reasons. **(20)**

हाल ही में आपको मुख्यतः कृषि आधारित एक जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला पिछले दशक से कृषि में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं में से एक रहा है। एक ग्रामीण क्षेत्र के भ्रमण में आप पाते हैं कि बड़े भू-स्वामी, जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से शक्तिशाली समूह हैं, ऐसे घरेलू सहायकों और कृषि मजदूरों को नियोजित किए हुए हैं, जो अनौपचारिक रूप से उनसे बंधे हुए हैं और कई पीढ़ियों से वहां काम कर रहे हैं। बदले में इन श्रमिकों को कुछ पैसे के अतिरिक्त भोजन और आश्रय जैसी आधारभूत सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। फिर भी, आपको इस परिस्थिति में मूलभूत मानवाधिकारों के उल्लंघन की अनुभूति होती है।

उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित हितधारकों, उनके हितों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) किस प्रकार चयन की वंचना मानवाधिकारों का उल्लंघन है?

(c) आप क्या कार्यवाही करेंगे? कारण बताएं।

एक प्रकार से बंधुआ मजदूरी जैसी कुप्रथा को उघाड़ने वाली यह केस स्टडी बताती है कि किस प्रकार आज भी हमारे समाज में सामंती व्यवस्था विद्यमान है व गरीबों का शोषण भी उसी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्तर पर निरंतर हो रहा है।

प्रमुख हितधारक व उनके हित

भू-स्वामी
- कृषि आय को बढ़ाना
- श्रम की ज़रूरत।
- प्रतिस्पर्धात्मक मजदूरी की ज़रूरत

मजदूर
- आर्थिक हित
- गरिमापूर्ण जीवन
- शिक्षा व अन्य मूल अधिकारों का हनन।

मैं
(i) मजदूरों को मुक्त कराने का कर्तव्य।
(ii) उनके अधिकारों की रक्षा करना।
(iii) उन्हें उचित सुविधाएँ प्रदान करना।

संपूर्ण समाज
(i) प्रगतिशीलता
(ii) कुप्रथा समाप्त करने का हित
(iii) श्रेणीक्रम व सामंती व्यवस्था समाप्त करना।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

(i) आर्थिक अधिकार (मजदूरों) के साथ-साथ उनके अन्य मूल अधिकारों के हनन

के मुद्दे।

(ii) मजदूरों के पक्ष में संवेदना, करुणा जैसे मूल्य।

(iii) भू-स्वामियों पर कार्यवाही में साहस, सत्यनिष्ठा व न्याय के मूल्य।

(iv) 'आर्थिक विकास' बनाम सामाजिक न्याय का मूल्य।

(v) चूँकि वे वहाँ पीढ़ियों से रह रहे हैं अतः अभिवृत्ति परिवर्तन का मुद्दा

[भू-स्वामियों की अभिवृत्ति ⟷ मजदूरों की अभिवृत्ति]

(vi) चयन की वंचना का मुद्दा

चयन की वंचना व मानवाधिकार

अधिकार तभी संरक्षित रह सकते हैं जब व्यक्ति के निर्णय लेने की स्वतंत्रता सुनिश्चित रहे। निर्णय लेने की स्वतंत्रता विकल्पों पर निर्भर करती है। अतः विकल्पों का न होना एक प्रकार से वंचना की स्थिति है जो मूलतः मानवाधिकार का

हनन है। इसी प्रकार एक चेतनशील प्राणी होने के नाते मानव ही विकल्पों में से चयन कर सकता है, वस्तुओं में यह गुण व सामर्थ्य नहीं। अतः इस नाते यह कहा जा सकता है कि उपर्युक्त केस अध्ययन में मजदूरों का 'वस्तुकरण' हो रहा है जो स्पष्टतः उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

कार्यवाही

निवारण	प्रोत्साहक
- बंधुआ मजदूरी कानून का प्रयोग कर मजदूरों को आजाद कराना।	- अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु विभिन्न NGO, सिविल समाज की मदद लेना
→ भू-स्वामियों पर दंड आरोपित करना।	→ बंधुआ मजदूरी फंड से उन मजदूरों को तात्कालिक राहत देना।
- हालांकि इसमें अनुनयन का प्रयोग किया जा सकता है।	

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्य उपाय :- - मजदूरों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ना।
- यदि वे कृषि मजदूरी भी करते हैं तो, वे न्यूनतम मजदूरी आदि प्रावधानों के बारे में जागरूकता फैलाना।
- भू-स्वामियों को समझाना व कानून के दंड आदि भयों का प्रयोग करने के साथ-साथ संवेदनशील बनाना।

औचित्य :- (i) प्रत्येक मनुष्य साध्य है साधन नहीं' (महात्मा गांधी)
(ii) करुणा सबसे बड़ा धर्म है (महात्मा बुद्ध)
(iii) कांट के अनुसार "कर्तव्य का पालन केवल कर्तव्य के लिये हो।"
(iv) जॉन रॉल्स के अनुसार - न्याय की उपलब्धता हर किसी के लिये होनी चाहिये।

अतः अपने अन्तः करण को विसंगति से बचाने व मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिये मैं उपर्युक्त कार्य करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Recently, two national level sportspersons who are integral members of their team, made some comments in a talk show which were perceived as being grossly misogynistic and racist. This created a huge controversy and they were temporarily suspended from the team pending an enquiry. In light of these events, answer the following questions:

(a) Do you think public figures have an additional responsibility in so far as expressing their views on matters of public importance is concerned? Give reasons.

(b) According to you, what are the reasons that some prominent public figures make such misogynistic comments, and even get away without any consequences?

(c) As the person in charge to enquire into the conduct, what factors would you consider to examine it and what punishment, if any, would you prescribe in this specific case? **(20)**

हाल ही में, राष्ट्रीय स्तर के दो खिलाड़ियों, जो अपनी टीम के अभिन्न सदस्य हैं, ने एक टॉक शो में कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्हें नारी-द्वेषी (मिसॉजिनिस्टिक) और जातिवादी माना गया। इससे एक बहुत बड़ा विवाद उत्पन्न हो गया और उन्हें जाँच पूरी होने तक टीम से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। इन घटनाओं के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) क्या आप मानते हैं कि जहां तक सार्वजनिक महत्व के विषयों पर अपने विचारों को व्यक्त करने की बात है, सार्वजनिक हस्तियों पर अतिरिक्त उत्तरदायित्व होता है? कारण बताएं।

(b) आपके अनुसार, क्या कारण है कि कुछ प्रमुख सार्वजनिक हस्तियां इस प्रकार की नारी-द्वेषी (मिसॉजिनिस्टिक) टिप्पणियां करती हैं और यहां तक कि बिना किसी परिणाम के बच निकलती हैं?

(c) इस आचरण की जाँच-पड़ताल करने वाले प्रभारी व्यक्ति के रूप में, इसका परीक्षण करने के लिए आप किन कारकों पर विचार करेंगे और आप इस विशिष्ट प्रकरण में क्या दंड, यदि कोई हो, निर्धारित करेंगे?

प्लेटो ने कहा है कि "आप किसी व्यक्ति के बारे में एक साल के वार्तालाप के बजाय एक घंटे के खेल में अधिक जान सकते हैं।"

खेल की महत्ता को ~~प्रभाव~~ स्थापित

करने वाली ये पंक्तियाँ बताती हैं कि खेल की पवित्रता व शुद्धता के लिये खिलाड़ी की पवित्रता व नैतिकता अत्यन्त आवश्यक है।

(a) खिलाड़ियों का उत्तरदायित्व

खिलाड़ी / सार्वजनिक हस्ती → फैन, फॉलोवर → ये भी वही व्यवहार करेंगे। → अनेक होते हैं।

→ सार्वजनिक हस्ती को सभी देखते हैं अतः अभिवृत्ति को सीखने के 'प्रेक्षणात्मक अधिगम' के अनुसार सभी देखने वाले बच्चे युवा उनके व्यवहारों को अपनायेंगे। अतः यदि वे कोई गलत कार्य करेंगे तो समाज में भी अनैतिकता आ सकती है।

– सामाजिक पूंजी में वृद्धि के लिये

(b) विभिन्न हस्तियों (हालिया हार्दिक पांड्या व लोकेश राहुल मामला) द्वारा इस प्रकार के अनेक मामले आये हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किन्तु इनके बचने के प्रमुख कारण निम्न है -

(i) विभिन्न संस्थाओं व स्तरों पर 'पितृसत्ता का मूल्य' विद्यमान है।

(ii) 'नारियों के संगठनों' द्वारा उचित आवाज न उठाया जाना।

(iii) उनकी अभिवृत्ति में पितृतंत्र जैसे मूल्य होते हैं जिसके कारण नारी विद्वेषी टिप्पणियाँ निकलती है।

(iv) अनेक महिलाओं द्वारा भी इसे नारी विद्वेषी नहीं माना जाता है।

(v) 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' व 'नारी सम्मान' के मध्य द्वन्द्व का मुद्दा।

(vi) कई बार इन हस्तियों द्वारा सामान्य माफी मांगने पर ही इन्हें माफ कर दिया जाता है।

कार्यवाही का स्वरूप

(i) जाँच पड़ताल के संबंध में सर्वप्रथम मैं पूरे मामले की जाँच करूँगा व उस टॉक-शो की पूरी वीडियो को

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विभिन्न महिला संगठनों के नेताओं को साथ में लेते हुए देखूँगा।

② टीम का स्तर पर, खिलाड़ियों, कोच, कप्तान तीनों से उस खिलाड़ी के व्यवहार की जाँच करूँगा।

③ खेल नैतिकता के अनुरूप व अन्य सामाजिक नैतिक प्रतिमानों व कानूनी पक्षों के अनुरूप यदि ये खिलाड़ी दोषी पाये जाते हैं तो -

- कानून के अनुरूप यदि कोई दंड हो तो कार्यवाही करना।
- खेल से निलंबित करना (अस्थाई या मामले की तीव्रतानुरूप स्थाई)

④ खिलाड़ियों को बुलाकर स्पष्टीकरण भी मांगा जा सकता है कि उन्होंने किन परिस्थितियों में इस प्रकार का कार्य किया।

दीर्घकालिक कदम

- खिलाड़ियों में 'खेल नैतिकता' को और अधिक विकसित करना।
- संवेदना, सहयोग, सहभागिता जैसे मूल्यों का समावेश करना।
- उन्हें बताना कि खेल वैश्विक है और खिलाड़ी उसके अंग। यदि खेल की प्रतिष्ठा खत्म होगी तो खिलाड़ियों का करियर भी खत्म हो जायेगा।

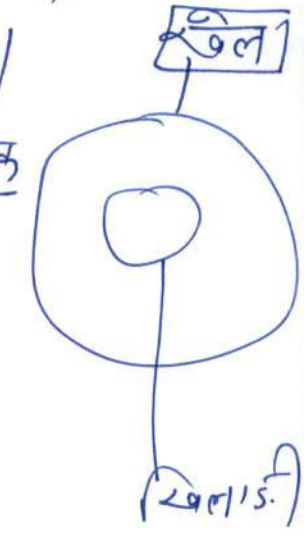

इस प्रकार उपर्युक्त प्रयासों से मैं तय कर पाऊँगा कि घटना का तात्कालिक समाधान हो न भविष्य में ऐसी घटनाएँ भी न घटे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. You are serving as the Public Health Officer in a district that is lagging behind in achieving the Open Defecation Free (ODF) status. Even after ensuring adequate access to water and sanitation services, their usage has not spread and the practice of open defecation continues in the district. Despite serious extension efforts by the government, safe hygienic practices have not been adopted by the people. As a result, various instances of bacteriological contamination and water-borne diseases have surfaced up recently. In such a scenario:

(a) Examine the reasons behind low usage and adoption rates of built toilets in India?

(b) Highlighting the principles to be kept in mind while preparing an effective Information, Education and Communication (IEC) strategy, design an action plan to address the problem. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में जन स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं जो खुले में शौच से मुक्त (ODF) का दर्जा प्राप्त करने में पिछड़ रहा है। जल एवं सैनिटेशन (स्वच्छता) सेवाओं तक पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करने के बाद भी, उनके उपयोग में वृद्धि नहीं हुई है और जिले में खुले में शौच की प्रथा जारी है। सरकार द्वारा इनके विस्तार के संबंध में किए गए गंभीर प्रयासों के बावजूद, लोगों द्वारा सुरक्षित स्वच्छता प्रथाओं को नहीं अपनाया गया है। फलस्वरूप, हाल ही में जीवाणुजनित संदूषण और जल जनित बीमारियों के विभिन्न उदाहरण सामने आए हैं। ऐसे परिदृश्य में:

(a) भारत में निर्मित शौचालयों के उपयोग और अंगीकरण की निम्न दर के पीछे उत्तरदायी कारणों का परीक्षण कीजिए?

(b) प्रभावी सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) रणनीति तैयार करते समय ध्यान में रखे जाने वाले सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए, इस समस्या का समाधान करने हेतु एक कार्य योजना तैयार कीजिए।

व्यक्तियों के सिद्धान्त व व्यवहार की खाई के साथ-साथ सरकारी प्रयासों की विफलता के प्रमुख कारणों के रूप में मनोवृत्ति परिवर्तन को दर्शाने वाली यह केसस्टडी बताती है कि किस प्रकार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी योजनाएँ धरातल पर पूर्णतः प्रतिफलित नहीं हो पाती।

भारत में शौचालय उपयोग न कम होना

(i) सामाजिक पूर्वाग्रह – शौचालयों के प्रति
(ii) पुरुषों में शौचालयों के प्रति उदासीनता।
(iii) विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूकता का अभाव।
(iv) रूढ़ीवादी, कट्टर समाज व जड़ता की संस्कृति।
(v) शौचालयों में गड्ढे का छोटा आकार → उसके भरने पर पुनः बाहर शौच करने जाने की प्रथा।
(vi) सरकार द्वारा निरंतर जागरूकता अभियान (Nudge Theory) न चलाया जाना।
(vii) शौचालयों में फ्लश आदि के लिये जल की टंकी व नल आदि की अवसंरचना का न होना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) जल की कमी से संबंधित मुद्दे।

प्रभावी सूचना शिक्षा व संचार रणनीति

(क) साधनात्मक अधिगम पद्धति का प्रयोग करना अर्थात अच्छे कार्य करने वाले गाँव को पुरस्कृत कर उसके बाहर बड़े अक्षरों में खुले में शौच मुक्त गाँव का बोर्ड लगाना (व्यावहारिक पक्ष)

(ख) स्टार रेटिंग प्रदान करना।

(ग) मोबाइल के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी पक्षों पर ध्यान केन्द्रित कर।

(घ) गाँव में उनकी भाषा में मोबाइल पर संदेश भेजना।

(ङ) प्रोजेक्टर आदि का प्रयोग कर गाँवों में "टॉयलेट : एक प्रेम कथा" जैसी फिल्मों का प्रसारण करना।

(च) धार्मिक नेताओं व लोकप्रिय व्यक्तियों का प्रयोग कर लोगों की मनोवृत्ति

परिवर्तन करना। उदा० के लिये 'चरक संहिता' में सफाई से संबंधित अनेक बातें निहित हैं। महात्मा गांधी भी स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी अधिक तवज्जो देते थे।

- लोगों को शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर आदि का ज्ञान कराना।
- पंचायत प्रतिनिधियों (मुख्यतः महिला प्रतिनिधियों) को प्रशिक्षित कर जागरूक बनाना।

इस प्रकार व्यावहारिक अर्थशास्त्र, नज थ्योरी, अभिवृत्ति परिवर्तन के विभिन्न सिद्धान्तों का प्रयोग करते हुए व उपर्युक्त कार्यनीति से संभव है कि इस प्रकार की प्रवृत्तियों पर रोकथाम लग सके। इस प्रक्रिया में दंड का प्रयोग नहीं करना चाहिये क्योंकि ऐसा करना लोगों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

'ईगो डिफेन्स' को मजबूत ही करेगा व वे शौचालय से दूर ही भागेंगे।